दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 13 दिसंबर 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 76

महत्वपूर्ण एवं खास

केन्द्र ने राज्यों को 140 करोड़ से अधिक टीके प्रदान किये

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 140 करोड़ से अधिक खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं। अभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 टीके की 17.93 करोड़ से अधिक अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल हुई खुराकें उपलब्ध है, जिन्हें लगाया जाना है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी शीघ्र पूर्णता के लिए लक्षित

नईदिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग अभूतपूर्व गति से विकसित हो रहे हैं। कई ट्वीट की एक श्रृंखला में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी परियोजना 993 प्रतिशत प्रगति के साथ पूर्णता के निकट है तथा यह जनवरी, 2022 में, तीन महीने पहले ही पूर्णता के लिए लक्षित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी जो उत्तर प्रदेश/हरियाणा सीमा (बागपत) से आरंभ होता है तथा रोहना में समाप्त होता है, उपयोगकर्ताओं को यह सुनिश्चित करते हुए कि दिल्ली ट्रैफिक बाईपास हो जाए, उत्तर प्रदेश से राजस्थान सीमा तक बरास्ते हरियाणा निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगा। गडकरी ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय राजमार्ग 334बी राष्ट्रीय राजमार्ग-44 से भी गुजरता है, जिससे चंडीगढ तथा दिल्ली के यात्रियों को सीधी पहुंच उपलब्ध हो सकेगी।

अमेरिका में चक्रवाती तूफान से भारी तबाही, 84 लोगों की मौत

टेनेसी । अमेरिका के केंटकी राज्य में चक्रवाती तूफान से भारी तबाही मच गई है। इस खतरनाक तूफान से अब तक 84 लोगों के मरने की आशंका है। कहा जा रहा है कि मृतकों की संख्या 100 के पार जा सकती है। इस तूफान की चपेट में अमेरिका के कुल 6 राज्य आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक तूफान के दौरान कई फैक्ट्रियों में सैकड़ों मजदूर फंस गए। फिलहाल बचाव और राहत का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशिर ने कहा है कि ये उनके राज्य के इतिहास में सबसे विनाशकारी बवंडर है। शुक्रवार रात को क्षेत्र में भयंकर तूफान आया और कई राज्यों में व्यापक पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने ये भी कहा है कि बवंडर से 10 काउंटी में लोगों के मरने की आशंका है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि सरकार तूफान में मारे गए लोगों की पूरी मदद करेगी। उन्होंने कहा कि ये अमेरिका के इतिहास में सबसे खतरनाक तूफान था। बाइडेन ने लोगों की मदद के लिए इमरजेंसी फंड जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस तूफान से 365 किलोमीटर तक बर्बादी का मंजर है। अमेरिका में आर्कन्सास का एक नर्सिंग होम और दक्षिणी इलिनोइस में अमेजन का एक गोदाम शुक्रवार रात एक तूफान की चपेट में आ गया। इसके चलते मिडवेस्ट और दक्षिण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस प्रमुख माइक फिलबैक ने बताया कि इलिनोइस के एडवर्ड्सविले में अमेजन के एक गोदाम में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इमारत की छत ढह गई थी और फुटबॉल के एक मैदान की दीवार गिर गई।

प्रधानमंत्री आज काशी विश्वनाथ धाम का करेंगे उद्घाटन

» 23 नए भवनों के निर्माण से तीर्थयात्रियों और भक्तों को अनेक सुविधाएं प्राप्त होंगी

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13-14 दिसंबर को वाराणसी के दौरे पर रहेंगे। 13 दिसंबर को दोपहर करीब 1 बजे प्रधानमंत्री काशी विश्वनाथ मंदिर जाएंगे और पूजा-अर्चना करेंगे, इसके बाद करीब 339 करोड़ रुपये की लागत से बने काशी विश्वनाथ धाम के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे।

बाबा विश्वनाथ के तीर्थयात्रियों और भक्तों को पवित्र नदी में डुबकी लगाने की सदियों पुरानी परंपरा का पालन करने, खराब रख-रखाव एवं भीड़भाड़ वाली सड़कों से आने-जाने और गंगाजल लेकर मंदिर में अर्पित करने में होने वाली कठिनाइयों को दूर करके उन्हें सुविधा प्रदान करना, प्रधानमंत्री का काफी पुराना सपना था। इस सपने को साकार करने के लिए, काशी विश्वनाथ मंदिर को गंगा नदी के तट से जोड़ने के लिए एक सुगम मार्ग के सृजन की एक परियोजना के रूप में काशी विश्वनाथ धाम की परिकल्पना की गई। इस पुनीत कार्य को शुरू करने के लिए, 8 मार्च, 2019 को प्रधानमंत्री द्वारा परियोजना की आधारशिला रखी गई थी।

प्रधानमंत्री ने परियोजना के सभी चरणों के क्रियान्वयन में उत्साही और सक्रिय रुचि दिखाई। प्रधानमंत्री के द्वारा नियमित तौर पर निर्देश दिए जाते थे तथा समीक्षा और निगरानी की जाती थी। इस परियोजना को बेहतर बनाने और दिव्यांगजनों समेत सभी तीर्थयात्रियों के लिए इसे और अधिक सुलभ बनाने के क्रम में उन्होंने लगातार इनपुट दिए और इस सम्बन्ध में अपना दृष्टिकोण साझा किया। परियोजना को रैंप, एस्केलेटर और अन्य आधुनिक सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया गया, ताकि दिव्यांगजनों और वृद्ध लोगों को पहुंचने में आसानी हो।

परियोजना के पहले चरण में कुल 23 भवनों का उद्घाटन किया जाएगा। ये भवन काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान करेंगे, जिनमें शामिल हैं- यात्री सुविधा केंद्र, पर्यटक सुविधा केंद्र, वैदिक केंद्र, मुमुक्षु भवन, भोगशाला, सिटी म्यूजियम, दर्शक दीर्घा, फूड कोर्ट आदि।

इस परियोजना के अंतर्गत काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास 300 से अधिक संपत्तियों की खरीद और अधिग्रहण किए गए। सभी को साथ लेकर चलने का प्रधानमंत्री का विजन ही वह सिद्धांत था, जिसके आधार पर इन अधिग्रहणों के लिए आपस में बातचीत से हल निकाला जाता था। इस प्रयास में करीब 1400 दुकानदारों, किराएदारों और मकान मालिकों का पुनर्वास सौहार्दपूर्ण ढंग से पूरा किया गया। इसकी सफलता का प्रमाण यह है कि परियोजना के विकास से संबंधित अधिग्रहण या पुनर्वास को लेकर देश के किसी भी न्यायालय में कोई भी मुकदमा लंबित नहीं है।

प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के तहत यह भी सुनिश्चित किया जाना था कि परियोजना के विकास के दौरान सभी विरासत संरचनाओं को संरक्षित किया जाए। यह दूरदर्शिता तब काम आई, जब पुरानी संपत्तियों को नष्ट करने की प्रक्रिया के दौरान 40 से अधिक प्राचीन मंदिरों को फिर से खोज निकाला गया। इन मंदिरों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया गया है और इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि मूल संरचना में कोई बदलाव न हो।

इस परियोजना की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह परियोजना अब लगभग 5 लाख वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में फैली हुई है, जबकि पहले संबंधित परिसर तकरीबन 3000 वर्ग फुट तक ही सीमित था। कोविड महामारी के बावजूद इस परियोजना का निर्माण कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही पूरा कर लिया गया है।

वाराणसी की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री 13 दिसंबर को दोपहर लगभग 12 बजे काल भैरव मंदिर भी दर्शन करने के लिए जाएंगे और फिर शाम को करीब 6 बजे रो-रो जहाज पर सवार होकर मां गंगा की भव्य आरती देखेंगे। प्रधानमंत्री 14 दिसंबर को दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे वाराणसी स्थित स्वर्वेद महामंदिर में सद्गुरु सदाफलदेव विहंगम योग संस्थान के 98वें वार्षिकोत्सव में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री दो दिवसीय यात्रा के दौरान असम, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों के एक सम्मेलन में भी भाग लेंगे। इस सम्मेलन में बिहार और नगालैंड के उपमुख्यमंत्री भी भाग लेंगे। यह सम्मेलन गवर्नेंस से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं या तौर-तरीकों को साझा करने का अवसर प्रदान करेगा। इतना ही नहीं, यह टीम इंडिया की भावना को आगे बढ़ाने के प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप है।

अवंतीपोरा में मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकी ढेर

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर में अवंतीपोरा के बरागाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई है. इस बात की जानकारी कश्मीर जोन पुलिस ने दी है. घटना के बारे में बताते हुए आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने कहा कि इस मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर हो गया है. मारे गए आतंकवादी की पहचान समीर अहमद तांत्रे के रूप में की गई है. जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा था. यह 2 नवंबर, 2021 से एक्टिव था. इससे पहले खबर आई थी कि पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने बारगाम में एक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है.

जैसे ही टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी, तभी छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई. इससे करीब चार दिन पहले जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में मुठभेड़ हुई थी. जिसमें तीन अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया गया. पुलिस ने यह जानकारी दी थी. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया था कि उन्हें सूचना मिली थी कि शोपियां के चक-ए-चोलां गांव में आतंकियों की मौजूदगी है. जिसके बाद उन्होंने तलाशी और घेराबंदी अभियान चलाया. पहले आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोली चलाई, जिसके बाद जवाबी फायरिंग की गई.

बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की जयपुर में महारैली, नेताओं का जमावड़ा

» सोनिया गांधी, राहुल व प्रियंका गांधी पहुंचे

जयपुर (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी रविवार दोपहर यहां पहुंचे। कांग्रेस नेता यहां देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ आज आयोजित महारैली को संबोधित करेंगे। सोनिया गांधी व राहुल गांधी विमान से यहां पहुंचे। हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व अन्य नेताओं ने उनका स्वागत किया। वहां से ये नेता एक बस से रैली के आयोजन स्थल विद्याधर नगर स्टेडियम पहुंचे। वहीं प्रियंका गांधी वाड्रा सड़क मार्ग से रैली स्थल पर पहुंचीं।

यह रैली जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में हो रही है। रैली की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। रैली से पहले मुख्यमंत्री गहलोत ने ट्वीट किया,''आज राजस्थान के लिये एक ऐतिहासिक दिन है जब केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण बढ़ती अप्रत्याशित महंगाई के विरोध में जयपुर में राष्ट्रीय महारैली का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व समेत पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं राजस्थान की धरा पर पधार रहीं कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी का स्वागत करता हूं। कांग्रेस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का भी मैं स्वागत करता हूं जो इस महत्वपूर्ण अवसर पर सहभागी बने हैं। गहलोत ने कहा कि इस महारैली से देश भर में एक संदेश जायेगा कि अब केन्द्र की भाजपा सरकार की गलत नीतियों के व्यापक रूप से विरोध का वक्त आ गया है और पूरे देश में इस रैली से उठी जनजागरण की लौ, एक मशाल बनकर केन्द्र सरकार के पतन का मार्ग प्रशस्त करेगी।

कोरोना के गिरते मामलों के बीच देश में बढ़ रहा ओमीक्रॉन का खतरा

» आंध्र और चंडीगढ़ में मिले नए केस

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में ओमीक्रॉन वेरिएंट अब बढ़ता जा रहा है. दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और राजस्थान के बाद अब ओमीक्रॉन आंध्र प्रदेश तक पहुंच गया है. आंध्र के विशाखापट्टनम में ओमीक्रॉन का पहला केस मिला है. 34 साल का मरीज हाल ही में आयरलैंड से मुंबई और फिर विशाखापट्टनम लौटा था. अधिकारियों ने बताया कि अब तक 15 यात्री कोरोना पॉजिटिव मिले हैं. इन सभी के सैंपल जीनोम सीचेंसिंग के लिए भेजे गए हैं.

दरअसल आंध्र प्रदेश का पहला ओमीक्रॉन केस, 34 वर्षीय यात्री, आयरलैंड से सीधे विशाखापत्तनम नहीं आया था. यात्री पहले मुंबई हवाई अड्डे पर उतरा, वहां उसका परीक्षण किया गया और उसे कोविड -19 नकारात्मक पाया गया. इसलिए, उन्हें यात्रा करने की अनुमति दी गई और 27 नवंबर को विशाखापत्तनम आए. आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में एक और आरटी-पीसीआर परीक्षण किया गया और उन्होंने कोविड -19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया. इसके बाद सैंपल को जीनोम सीचेंसिंग के लिए काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी हैदराबाद भेजा गया, जहां इसे ओमीक्रॉन पॉजिटिव घोषित किया गया.

अधिकारियों ने रविवार को कहा कि इटली का एक 20 वर्षीय व्यक्ति, जो पिछले महीने भारत आया था ने कोरोनावायरस के ओमीक्रॉन संस्करण के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है. अधिकारियों ने रविवार को कहा कि इटली का एक 20 वर्षीय व्यक्ति, जो पिछले महीने भारत आया था ने कोरोनावायरस के ओमीक्रॉन वेरिएंट के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है.वह आदमी 22 नवंबर को भारत आया था और 1 दिसंबर को उसे कोविड -19 का पता चला था. उन्हें फाइजर वैक्सीन से पूरी तरह से टीका लगाया गया है. चंडीगढ़ के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि आज फिर से उनका कोविड -19 परीक्षण किया गया और रिपोर्ट का इंतजार है.

बता दें, शनिवार को दिल्ली में ओमीक्रॉन का दूसरा मामला सामने आया था. जिम्बाब्वे से आए यात्री की जिनोम सिचेंसिंग रिपोर्ट ओमीक्रॉन पॉजिटिव आई थी. शख्स की ट्रेवल हिस्ट्री में साउथ अफ्रीका भी शामिल था.देश में अब तक ओमीक्रॉन के सबसे ज्यादा केस महाराष्ट्र में सामने आए हैं. यहां 17 संक्रमित पाए गए हैं. इसके बाद राजस्थान में नौ, गुजरात में तीन, दिल्ली और कर्नाटक में दो-दो और आंध्र प्रदेश एक केस मिला है.राहत की बात ये है कि राजस्थान में सभी 9 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है. महाराष्ट्र के पुणे में भी एक मरीज की रिपोर्ट निगेटिव आई है.

प्रधानमंत्री मोदी का ट्विटर हैंडल कुछ समय के लिए हैक, बाद में सुरक्षित किया गया : पीएमओ

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्विटर हैंडल रविवार को कुछ समय के लिए हैक कर लिया गया और इससे एक ट्वीट किया गया कि भारत ने ''आधिकारिक रूप से बिटकॉइन को कानूनी मान्यता दे दी है। बाद में, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि ट्विटर के समक्ष मामला उठाए जाने के बाद अकाउंट को तुरंत सुरक्षित कर लिया गया। पीएमओ ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्विटर हैंडल कुछ देर के लिए हैक कर लिया गया था। मामले को ट्विटर के समक्ष उठाया गया और अकाउंट को तत्काल सुरक्षित कर लिया गया। अकाउंट के कुछ समय तक हैक रहने के दौरान साझा किए गए किसी भी ट्वीट को नजरअंदाज किया जाए। प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तिगत ट्विटर हैंडल को कुछ समय के लिए हैक किए जाने के बाद एक ट्वीट में यह भी दावा किया गया कि भारत ने आधिकारिक तौर पर 500 बीटीसी खरीदें हैं और उन्हें वह अपने नागरिकों के बीच वितरित कर रहा है और इस संबंध में एक लिंक भी साझा किया गया। इसमें कहा गया, भविष्य आज आपके सामने है। कई यूजर ने तत्काल कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि अकाउंट हैक हो गया है। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी. वी. जैसे कुछ लोगों ने अब हटाए जा चुके ट्वीट का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हुए ट्वीट किया, ''सुप्रभात मोदी जी, सब चंगा सी?

पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद को जड़ से खत्म कर देंगेः स्वर्णिम विजय पर्व पर बोले राजनाथ सिंह

नईदिल्ली (आरएनएस)। स्वर्णिम विजय पर्व के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 'आतंकवाद को बढ़ावा देकर पाकिस्तान भारत को तोड़ना चाहता है. भारतीय सेनाओं ने 1971 में उसके मंसूबों को नाकाम किया और अब आतंकवाद को भी जड़ से खत्म करने की दिशा में काम चल रहा है. हम प्रत्यक्ष युद्द में जीत दर्ज कर चुके हैं, परोक्ष युद्ध में भी विजय हमारी ही होगी.' उन्होंने कहा, 'हम पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवाद को जड़ से खत्म कर देंगे'.

उन्होंने कहा, 'आज हम सभी इंडिया गेट पर 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के स्वर्णिम विजय वर्ष के अंतर्गत आयोजित विजय पर्व को मनाने के लिए इक्टठे हुए हैं. यह पर्व भारतीय सेनाओं की उस शानदार जीत के उपलक्ष्य में है, जिसने दक्षिण एशिया के इतिहास और भूगोल दोनों को बदल कर रख दिया.'

रक्षा मंत्री ने कहा, 'यह आयोजन और भी भव्य और दिव्य रूप में करने का फैसला लिया गया था, लेकिन देश के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के असामयिक निधन के बाद इसे सादगी के साथ मानने का निर्णय लिया गया है. आज के अवसर मैं उन्हें भी स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं.' सिंह ने कहा, 'आज के दिन मैं भारतीय सेना के हर उस सैनिक के शौर्य, पराक्रम और बलिदान को नमन करता हूं, जिनकी वजह से 1971 के युद्ध मे भारत ने विजय हासिल की. यह देश उन सभी वीरों के त्याग और बलिदान का सदैव ऋणी रहेगा.'

रक्षा मंत्री ने कहा, 'हमारे बंगाली बहनों और भाइयों पर होने वाला अन्याय और अत्याचार किसी न किसी रूप में संपूर्ण मानवता के लिए खतरा था. ऐसे में पूर्वी पाकिस्तान की जनता को उस अन्याय और शोषण से मुक्ति दिलाना हमारा राजधर्म भी था, राष्ट्रधर्म भी था और सैन्यधर्म भी था. यह युद्ध हमारी नैतिकता, हमारी लोकतांत्रिक परम्पराओं और न्यायपूर्ण व्यवहार का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं. ऐसा इतिहास मे कम ही देखने को मिलेगा कि कोई देश किसी दूसरे देश को युद्ध मे हराने के बाद, उसपर अपना प्रभुत्व न जताए बल्कि वहां के राजनीतिक प्रतिनिधि को सत्ता सौंप दे.'

राजनाथ सिंह ने कहा, 'भारत ने बांग्लादेश मे लोकतंत्र की स्थापना मे अपना योगदान दिया और आज हमे इस बात की अत्यंत प्रसन्नता है कि पिछले 50 सालों मे बांग्लादेश ने विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है जो बाकी दुनिया के लिए एक प्रेरणा का विषय है. यह विजय पर्व किसी खास ऑपरेशन का ही नहीं, बल्कि देशवासियों और हमारी सेनाओं की अंतरात्मा में बसे विजय के भाव, जो रानी लक्ष्मीबाई से लेकर मेजर सोमनाथ शर्मा, वीर अब्दुल हमीद और कैप्टन विक्रम बत्रा और आज हमारी सेनाओं के सभी अंगों में विद्यमान है, उसका महोत्सव है.

सिंह ने कहा, 'यह युद्द हमें बताता है कि मजहब के आधार पर हुआ भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक गलती थी. पाकिस्तान का जन्म एक मजहब के नाम पर हुआ मगर वह एक नहीं रह सका. 1971 की हार के बाद हमारा पड़ोसी देश भारत में लगातार एक छद्म युद्द लड़ रहा है. भारत विरोध की भावना पाकिस्तान में कितनी बलवती है इसका अंदाजा इसी बात से लगता है कि जिन आक्रांताओं ने भारत पर हमले किए उनके नाम पर वे अपनी मिसाइलों के नाम रखते हैं.. गोरी, गजनवी, अब्दाली!'

रक्षा मंत्री ने कहा, 'उनसे पूछना चाहिए कि इन्होंने तो आज के पाकिस्तानी भूभाग पर भी हमला किया था. जबकि भारत की मिसाइलों के नाम होते हैं आकाश, पृथ्वी, अग्नि. अब तो हमारी एक मिसाइल का नाम संत भी रखा गया है.